हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार, 9 जून, 2025

11 फतेहाबाद पुलिस का स्वच्छता संकल्प, थानों और चौकियों...

12 फर्जी वर्क वीजा एजेंसी का भंडाफोड़, मुख्य सरगना सहित...

खबर संक्षेप

हेरोइन के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए स्टाफ फतेहाबाद की टीम ने नशे की तस्करी में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10.25 ग्राम हेरोइन बरामद की है। साथ ही, तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना सदर फतेहाबाद मे एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। सीआईए स्टाफ डबवाली की टीम ने गांव गंगा से एक युवक को 101 पव्वे नाजायज शराब सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया कि आरोपी की पहचान जसकरण सिंह निवासी गंगा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस की एक टीम नियमित गश्त पर गांव मोडी से गांव गंगा की ओर जा रही थी कि गांव गंगा पैट्रोल पंप से थोडा आगे पहुंची तो एक युवक की शक के आधार पर तलाशी ली तो उसके पास 101 पव्वे अवैध शराब थी।

18 ग्राम हेरोइन सहित दो युवक गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गश्त के दौरान एमसी कॉलोनी सिरसा क्षेत्र से दो युवकों को 18 ग्राम 2 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी उप निरीक्षक जगदीश चंद्र ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान एमसी कॉलोनी नजदीक स्वामी दयानंद हाई स्कूल के पास मौजूद थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

ट्रस्ट ने पक्षियों के लिए लगाए 11 सकोरे

डबवाली। पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट की ओर से रविवार को विश्व महासागर दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश देते हुए उपमंडल के गांव डबवाली में स्थित सीआईए कार्यालय के प्रांगण में सकोरे लगाए गए। प्रोजेक्ट चेयरमैन सुदर्शन गर्ग ने बताया कि इस मौके एचसी सतवीर सिंह का पूर्ण सहयोग काबिल-ए-तारीफ था। उन्होंने आज अभियान की शुरुआत से लेकर संपन्न होने तक पूरा कार्यभार संभाला।

ट्यूबवेल की केबल तार चोरी का आरोपी काबू

सिरसा। डिंग थाना पुलिस ने गश्त के दौरान गांव नरेल खेड़ा स्थित खेतों से करीब एक दर्जन ट्यूबवेलों की केबल तार चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले युवक को काबू किया है। डिंग थाना प्रभारी ने बताया कि गांव नरल खेड़ा निवासी गुरदीप सिंह पुत्र कर्म सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 4 जून की रात को अज्ञात युवकों द्वारा मेरे व मेरे पड़ोस के खेतों में लगे करीब एक दर्जन ट्यूबवेलों की केबल तार चोरी करके ले गए थे। उन्होंने शिकायत के आधार पर डिंग थाना में ट्यूबवेल की केबल तार चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई थी।

जानकार बनकर कर रहे ठगी, रहें सावधानः एसपी

डबवाली। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि आजकल साइबर ठग ठगी करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि आजकल बहुत से बच्चे विदेशों में पढ़ाई के सिलसिले में गए हुए हैं। साइबर ठग इसी चीज का फायदा उठाते हुए विदेशों से कॉल करते हैं और कहते हैं कि आपके रिश्तेदार या आपके बच्चे का झगड़ा हो गया है और उस झगड़े में समझौता करने के लिए पैसे देने पड़ेंगे। इसके अतिरिक्त साइबर ठग आपको यह भी कहते हैं कि आपके रिश्तेदार या आपके बच्चे का एक्सीडेंट हो गया है। उसको पुलिस ने पकड़ लिया है उसको बचाने के लिए पैसे द्व देने पड़ेंगे।

फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर लघु सचिवालय के चक्कर काटने को मजबूर

छह महीने से नहीं हो पा रही जिला लोक संपर्क एवं जनपरिवाद समिति की बैठक

लोगों की समस्याओं के निदान के लिए हर माह बैठक लेनी आवश्यक

सुरेन्द्र असीजा ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। दिसम्बर 2024 में जनपरिवाद समिति की बैठक में शिकायतें सुनते श्रुति चौधरी। *फोटो: हरिभूमि*

प्रदेश सरकार द्वारा लोगों की गंभीर समस्याओं के निदान के लिए गठित जिला लोक सम्पर्क एवं जनपरिवाद समिति की बैठकों को लेकर जिम्मेवार मंत्री गंभीर नजर नहीं आते। प्रदेश सरकार ने जिला लोक सम्पर्क एवं जन परिवाद समिति गठित कर प्रत्येक जिले में एक मंत्री को इसका प्रभारी बनाया था। फतेहाबाद के लिए सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी को प्रभारी बनाया गया है। समिति की बैठक में सरकार ने अपने चहेते लोगों को सदस्य भी मनोनीत कर रखा है। मंत्री द्वारा लोगों की समस्याओं के निदान के लिए हर माह बैठक लेनी आवश्यक है। फतेहाबाद इसके लिए एक अपवाद बनता जा रहा है। दिसम्बर 2024 के बाद अभी तक जनपरिवाद समिति की कोई बैठक नहीं हुई। 16 दिसम्बर को श्रुति चौधरी ने यहां बैठक लेकर समस्याओं का निदान किया था। उसके बाद यहां कोई बैठक नहीं हुई। फतेहाबाद के लिए यह इसलिए भी खास बात है कि यहां का कोई भी नुमाईंदा सरकार में नहीं है। समिति की बैठक न होने से फरियादी अपनी फरियाद लेकर लघु सचिवालय के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। दरअसल सरकार ने बड़े मुद्दे सुलझाने के लिए पब्लिक को ऐसा मंच दिया था, ताकि जो अलसुलझे मुद्दे जिला प्रशासन से लेकर कोर्ट में न सुलझ सकें, उसे इस कमेटी में मौके पर ही सुलझाया जाता है। अब 6 महीने से बैठक न होने से फरियादी कहां जाए, यह एक बड़ा सवाल है। जनपरिवाद समिति की पिछली बैठक में 17 मामले रखे गए थे। पिछली बैठक में रखे गए वाहन पंजीकरण घोटाले से सम्बंधित एक शिकायत की अगली बैठक में सुनवाई की बात कही गई थी। इस बारे शिकायतकर्ता ने कहा कि 6 महीने उसे इंतजार करते बीत गए, उसकी न ही शिकायत ली जा रही है और न ही उसका कोई समाधान किया जा रहा है।

नगरपरिषद की एमबी बुक मामले में सुरेन्द्र ने लगाई थी न्याय की गुहार

टोहाना की टिब्बा कॉलोनी निवासी सुरेंद्र उर्फ सलीम ने शिकायत रखी थी कि नगर परिषद टोहाना की एमबी 108 नंबर उपलब्ध नहीं है। इस पर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि एमबी के गुमशुदगी बारे एफआईआर करवाने बारे लिखा गया है और तत्कालीन जेई, एक्सईएन व एमई से इस बारे जवाब तलब किया गया है। इस पर कार्यवाही करते हुए कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने जिला नगरायुक्त और कष्ट निवारण समिति सदस्य रविंद्र मेहता की एक कमेटी बनाकर इस मामले की जांच करने के निर्देश दिए कि एमबी गायब करने में किन-किन अधिकारियों व कर्मचारियों का हाथ है।

सुमन सिहाग को न्याय का इंतजार

गांव रामसरा निवासी सुमन सिहाग ने शिकायत रखी थी कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में उसका खाता है और उसके खाते को गैर कानूनी तरीके से ट्रैक किया गया है। महिला एवं बाल विकास एवं सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने ब्रांच के सीनियर मैनेजर को निर्देश दिए थे कि इस मामले की जांच करे और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही कर रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। अब बैठक न होने से यह मामला भी ठंडे बस्ते में है।

सत्ता में नहीं हुई फतेहाबाद के नुमाईंदों की हिस्सेदारी

बता दें कि फतेहाबाद जिले में तीन विधानसभा सीटें है। इसमें फतेहाबाद, रतिया व टोहाना तीनों में ही कांग्रेसी विधायक हैं जबकि पिछली सरकार में यहां तीनों विधानसभा से ही नुमाईंदें सरकार में हिस्सेदार थे। इसके अलावा सुभाष बराला चेयरमैन व निशान सिंह जजपा के प्रदेशाध्यक्ष थे। ऐसे में अब लोगों की ज्यादा उम्मीद जनपरिवाद समिति पर ही रहती है ताकि उनकी समस्याएं सुलझ सकें।

भट्टूकलां। गोदाम में आग बुझाने के लिए पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ी।

झाड़ू बनाने वाले गोदाम में लगी आग

सौ टन झाड़ू बनाने वाला मेटिरियल जलकर राख

- दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭भट्टूकलां

भट्टूकलां। गोदाम में आग के बाद निकलता धुंआ। *फोटो: हरिभूमि*

भट्टू मण्डी में फतेहाबाद रोड स्थित पुराने सिनेमा घर में बने बांस के गोदाम में भयंकर आग लग गई। भीषण रूप से लगी आग से क्षेत्र में हडकंप मच गया। रविवार सुबह गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका लेकिन तब तक गोदाम में रखा करीब 50 लाख रुपये का सामान जलकर स्वाह हो गया था। भट्टू मण्डी निवासी विजेंद्र कालीराणा ने बताया कि उसने फतेहाबाद रोड पर गोदाम बनाया हुआ है। इस गोदाम में उसने झाड़ू बनाने के लिए करीब 100 टन बांस का स्टॉक रखा हुआ था। इस सामान की कीमत करीब 50 लाख रुपये से अधिक थी। विजेन्द्र के अनुसार यहां से झाड़ू तैयार करके विक्रेताओं को सप्लाई की जाती है। गोदाम मालिक ने बताया कि यहां से तैयार हुई झाड़ू को हरियाणा के दूसरे जिलों के अलावा साथ लगते राज्यों पंजाब और राजस्थान में भी भेजी जाती थी। विजेन्द्र ने बताया कि शाम को हर रोज की भांति अपने गोदाम को बंद कर अपने घर मेहूवाला चला गया। रविवार सुबह उसे फोन द्वारा किसी ने सूचना दी कि आपके गोदाम से चारों तरफ धुंआ निकल रहा है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा और इस बारे फायर बिग्रेड को सूचना दी। गोदाम मालिक ने शक जाहिर किया है कि गोदाम में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट हो सकता है। आग शनिवार देर रात को लगी लेकिन उसे इसकी सूचना रविवार सुबह मिली।

नशीले इंजेक्शनों सहित तीन काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में नशीले इंजैक्शनों सहित गिरफ्तार युवक। *फोटो: हरिभूमि*

जिला पुलिस द्वारा नशामुक्त अभियान चलाकर तस्करों की धरपकड़ जारी है। रतिया पुलिस ने गश्त के दौरान रविवार को नशीली दवाओं सहित तीन युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवकों की पहचान सुखविन्द्र सिंह उर्फ सुखी पुत्र देव सिंह निवासी फग्गु जिला सिरसा, गुरसेवक सिंह उर्फ सेवक पुत्र गमदूर सिंह निवासी मीरपुर कलां जिला मानसा पंजाब व यादविन्द्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी मीरपुर कलां, मानसा के रूप में हुई है। नागपुर पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक गुरपाल सिंह ने बताया कि वह अपनी टीम एचसी रोशनलाल, सिपाही शंकर दयाल, एसपीओ गुरलाल और ड्राइवर एसपीओ गुरप्यार सिंह के साथ रतिया रोड पर वाहनों की नियमित जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक स्विफ्ट कार सिरसा नंबर रतिया की ओर से आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने कार को रोका और कार सवार युवकों से पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम सुखविन्द्र सिंह, गुरसेवक सिंह व यादविन्द्र सिंह बताया। पुलिस ने जब डीएसपी नरसिंह की मौजूदगी में इनकी तलाशी ली तो कार से 140 नशीली दवाओं के इंजेक्शन बरामद हुए जोकि एनडीपीएस के दायरे में आते हैं। पुलिस ने तीनों युवकों को गिरफ्तार कर थाना सदर रतिया में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

खेती से जुड़ी योजनाओं के प्रति कराया अवगत

- किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭चोपटा

सिरसा। किसानों को कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषि विभाग के अधिकारी।

केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत गांव में शक्कर मंदोरी, शाहपुरिया और तरकांवाली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किसानों को खेती से जुड़ी नई जानकारी, तकनीक और सरकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। कृषि विकास अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सहारण ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर गांवों में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत शक्कर मंदोरी, शाहपुरिया और तरकांवाली में कृषि विज्ञान केंद्र सिरसा से डॉ. सुनील बैनीवाल, कृषि वैज्ञानिक डॉ. रविंद्र मिटी लेब, डॉ. शैलेंद्र सहारण, डॉ. सतबीर रंगा एसडीएओ सिरसा, डॉ. महेंद्र बीटीएम, डॉ. होशियार सिंह, एटीएम डॉ. मदन ने किसानों को खेती से जुड़ी नई जानकारी, तकनीक और सकारी योजनाओं से अवगत कराया। इससे किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र और केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग के अधिकारी गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद किया। खेती, बागवानी, पशुपालन और मछली पालन से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई। फिलहाल जिले में खरीफ फसलों की बिजाई का समय चल रहा है। जिन खेतों में अभी फसल नहीं लगी या जहां खाद नहीं डाली गई, वहां की मिट्टी के नमूने जांच के लिए गए। इससे मिट्टी की उर्वरता का सही आकलन होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गांव के सरपंच श्रीचंद, दिवान, निहाल सिंह, पूर्व सरपंच जगदीश दहिया, जयनारायण सहारण, मंगल सिंह, वीरेंद्र कासनियां, नरेंद्र किसान नेता संजय, कृष्ण कासनियां, ओम प्रधान, धर्म सिंह, राजकुमार कुलरिया सरपंच शाहपुरीया, घनश्याम वकील, दीपक कासनिया, पंकज सोनी, सुनील, जगदीश सहारण, बृजलाल कासनिया सहित कई किसान मौजूद रहे।

टोहाना। गांव समैण में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा को पहुंचाया गया नुकसान।

शराबी ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा को पहुंचाया नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

- थाने में दी शिकायत, सख्त कार्रवाई की मांग

टोहाना के गांव समैन में एक शराबी युवक द्वारा शहीद-ए-आजम चौक पर स्थापित भगत सिंह की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। आरोपी विजय नामक युवक रात करीब 10 बजे नशे की हालत में प्रतिमा पर पत्थर फेंकने लगा। ग्रामीण कुलदीप के अनुसार जब उन्होंने विजय को रोकने का प्रयास किया तो उसने झगड़ा शुरू कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार जब उसे रोकना चाहा तो बोला कि वह मूर्ति को तोडक़र ही रहेगा। आरोपी ने ईंट मारकर प्रतिमा के चेहरे को नुकसान पहुंचाया है। इस घटना से गांव के लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने सदर पुलिस को लिखित शिकायत दी है। उन्होंने प्रशासन से दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गांव समैण के संदीप ने कहा कि जिन शहीदों की बदौलत हम खुली हवा में सांस ले रहे है, हमें उनकी शहादत को सदैव याद रखना चाहिए लेकिन शरारती लोग ऐसे शहीदों का अपमान करके अपनी मानसिकता का परिचय देते है। पुलिस प्रशासन को आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया जाना चाहिए ताकि दोबारा कोई ऐसा गलत कार्य न कर सके।

अध्यापक संघ का शिक्षा विभाग को अल्टीमेटम का आखिरी दिन आज, बड़े आदोलन की चेतावनी

फतेहाबाद। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने शिक्षा विभाग हरियाणा को चेतावनी दी है कि अगर अधिकारियों ने 9 जून तक संघ के साथ बातचीत कर अध्यापकों की समस्याओं का समाधान नहीं किया तो अध्यापक प्रदेशभर में आंदोलन तेज करने पर मजबूर होंगे। संघ के जिला प्रधान राजपाल मित्ताथल व राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद ने कहा कि अध्यापक संघ द्वारा 5 जून को विभिन्न मांगों को लेकर पंचकूला में शिक्षा सदन पर प्रदर्शन किया जाना था लेकिन शिक्षा विभाग के आयुक्त द्वारा 9 जून को बातचीत के लिए बुलाने के कारण एक बार इसे स्थगित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि 9 जून को अधिकारियों के साथ बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में होती है तो ठीक है, अन्यथा तो 9 जून की वार्तालाप के बाद आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा। जिला प्रधान राजपाल मिताथल ने अध्यापकों से संबंधित मुख्य मांगों पर चर्चा करते हुए बताया कि शिक्षा विभाग स्कूलों को मर्जर के नाम पर बंद ना किया जाए। सार्वजनिक शिक्षा का विस्तार किया जाए। शहरों की नई कालोनियों और नए सैक्टरों में जनसंख्या के अनुसार नए स्कूल खोले जाएं। ट्रांसफर ड्राइव को बार-बार आगे खिसकाया जा रहा है, ट्रांसफर ड्राइव तुरंत शुरू किया जाए।

सुरजीत दुसाद।

पुलिस ने गांजा सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। एवीटी स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम ने गांजा सहत एक युवक को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान टोनी सिंह पुत्र जय सिंह निवासी गुरूनानकपुरा फतेहाबाद हाल बरवाला रोड, अग्रोहा के रूप में हुई है। एवीटी स्टाफ फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम एएसआई सुखविन्द्र सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त के दौरान फतेहाबाद से भट्टू रोड होते हुए रतिया मोड की जा रही थी। जैसे ही टीम आशीर्वाद पैलेस के पास पहुंची तो एक युवक पैदल हाथ में प्लास्टिक कट्टा लिए आता नजर आया। उक्त युवक पुलिस टीम को देखकर घबरा गया एकदम पीछे मुडक़र तेज कदमों से चलने लगा। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम टोनी सिंह पुत्र जय सिंह निवासी गुरूनानकपुरा फतेहाबाद हाल बरवाला रोड, अग्रोहा बताया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से उसके पास प्लास्टिक कट्टे से 2 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

25 जून से प्री मानसून बारिश के आसार

हीट वेव की चपेट में फतेहाबाद, राहत के आसार नहीं

- अधिकतम तापमान 43 डिग्री व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। भीषण गर्मी के चलते सुनसान पड़ा जीटी रोड। *फोटो: हरिभूमि*

मई के पूरे महीने में दिन में धूप और शाम के समय आंधी व बूंदाबांदी का सिलसिला अब खत्म हो गया है। जून के पहले सप्ताह में ही गर्मी व हीट वेव अपने चरम पर है। गर्मी के साथ उमस भी बढ़ गई है। रविवार को फतेहाबाद का अधिकतम तापमान 43 डिग्री व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जोकि सामान्य से 5-6 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 जून तक अभी बारिश के कोई आसार नहीं है। बताया यह भी जा रहा है कि 25 जून के बाद प्री मानसून की बरसात हो सकती है। रविवार को लू के प्रकोप से लोग घरों में ही दुबके रहे। अपने जरूरी कार्यों से निकले लोग लू की थपेड़ों की मार झेलते रहे। अगले सप्ताह से उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से तापमान में ओर बढ़ोतरी हागी। मौसम विभाग ने पुराने हिसार जिले में शामिल सिरसा, हिसार व फतेहाबाद के राजस्थान से लगते एरिया में हीट वेव चलने का अलर्ट जारी किया है। इसका असर आज सोमवार से ही गर्म हवाओं के साथ देखा जा सकेगा। गर्मी के कारण प्रदेश के अनेक जिलों में तापमान 43 से 44 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है।

अगले 3 दिनों में तापमान में हो सकती है बढ़ोतरी

डॉ. खीचड़ के अनुसार पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में अगले 5-6 दिनों तक मुख्य रूप से शुष्क मौसम रहने की संभावना है। अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। 9 से 11 जून के दौरान हरियाणा के दक्षिणी और दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक जा सकता है, जिससे प्रदेश के इन जिलों में हीट वेव लोगों के पसीने छुड़वा सकती है। डॉ. एमएल खीचड़ के अनुसार 22 से 25 जून तक प्री मानसून की बारिश हो सकती है जबकि 28 जून से प्रदेश में मानसून दस्तक दे सकता है।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

शनिवार के दिन सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले कर देती थी।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना इसलिए तो कोई बोला नहीं। मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

कहानी
ललिता विम्मी

वो मेरी गलियां

बहुत दिनों बाद, आज अपने शहर, अपनी गली, अपने घर की तरफ़ जाना हुआ था। हालांकि मेरा कुछ नहीं बचा था वहां, बहुत पहले ही सब के ठिकाने बदल गए थे। चिलचिलाती धूप, गर्म लूं के थपेड़े, सिर पर ओढ़े हुए सूती दुपट्टे को एक बार फिर और खोल कर लपेट लिया था मैंने।

वही गली थी, बस अब पक्की बन गई थी। बड़ी सी मुख्य सड़क के सामने मेरे घर की भीड़ी सी गली। मुख्य सड़क पर एक ओर मंदिर था, मंदिर के बाहर एक विशाल पीपल का पेड़ हुआ करता था। पीपल के पेड़ के बराबर में एक तंग सी गली, और गली के बराबर में ही सीधे हाथ पर एक दुकान जहां टाफियाँ, पीले रंग के नमकीन रोल, जो फूंक मारने से ही उड़ जाते थे। मीठी और तरह तरह के रंगों की रंगीन सी गोलियां बहुत मज़ा आता था उन्हें खाने में। कभी अलग-अलग रंग लेती, तो कभी एक जैसा रंग। दुकान वाला चाचा, जो कि सबका चाचा था, बहुत डांटता था, रंग खाने हैं या गोलियाँ'?

पीपल के पेड़ के बायें हाथ को भी एक छोटी सी हलवाई की दुकान थी जहां दूध, मिठाइयां और प्रसाद मिलता था।

शनिवार को सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले। मेरा एक सहपाठी नवीन जो कि मेरे साथ ही स्कूल जाया करता था। शायद मुझे ये सब करते देख चुका था। मेरे घर शिकायत करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, क्यों कि उस समय मैं अपने ग्रुप की सरदार थी और नवीन जैसे बहुत से बच्चे, जिन्हें दूसरे बच्चों से झगड़ने से डर लगता था। वे सरदार की शरण में रहते थे। शनिदेव के उन सिक्कों से मेरा व्यापार भी चलता था। बहुत बच्चों को मैंने उधार दे रखा था। वापसी तो किसी से भी नहीं हुई थी पर पैसों के चलते मेरा अलग ही रौब था।

एक दिन हमारे स्कूल के बाहर एक अलग तरह की कुल्फी प्लेट में बिक रही थी, उसमें लच्छे भी थे। मुझे उस कुल्फी की बहुत इच्छा हुई, मेरी उस समय की भाषा में मुझे बस कुल्फी की भूख लगी थी। मैंने अपने सारे देनदारों से पैसे वापस मांगे, और वो भी धमका कर।

आधी छुट्टी पूरी होने तक मुश्किल से पैसे इकट्ठे हुए, मैंने कक्षा में ना जाकर कुल्फी वाले के पास खड़े होकर कुल्फी खाई।

मेरे पीछे मुझ से प्रताड़ित बच्चों ने मीटिंग करके आते ही मुझे टीचर से प्रताड़ित करवाया। मैं बहुत ही दुखी धीमे-धीमे कदमों से घर पहुंची ही थी कि घर पर भी एमरजेंसी अदालत लगी हुई थी। मुझे स्कूल में पिटता देखकर शायद नवीन के भी पर निकल आये थे। उसने मेरे घर में मेरी मां को सब बता दिया था।

मां बेचारी बहुत परेशान थी, उन्हें ये चिंता थी कि शनिदेव के पैसे उठाकर जो भूल लड़की ने की है, शनिदेव से कैसे क्षमा याचना करवाई जाये।

बड़े ताऊजी और बड़ी मां को ये चिंता थी कि लड़की की जात और बदमाशी लड़कों से भी बढ़कर, यही संस्कार है तो आगे क्या करेगी? पापा को ये चिंता थी कि पीपल के पेड़ पर से कुत्ते भी चीजें खाते रहते हैं। इतनी गंदगी, इतनी मक्खियां, बच्ची को कोई बीमारी लग गई तो? मां को भी डांट रहे थे, तुम उसे उसकी पसंद का नहीं खाने देती ना, इसलिए तो उसने ये भिखारियों से भी बदतर हरकत की।

मेरे गली के दूसरे बच्चे जो मेरे शैक्षणिक स्तर से हमेशा जलते थे, बड़े खुश थे कि आज आयेगा मजा मैडम बुद्धि माता को डंडे पड़ेंगे जब।

मैं बेचारी अकेली इतने लोगों की भीड़, सब के तेज तलवार से प्रश्न, ऊपर से गर्मी, मां ने तो आते ही दो जड़ दिए, बड़ी मां जैसे और जड़वाने के चक्कर में थी।

'ना छोटी, अभी मत मारो, पहले सारी बात पता कर, क्या पता और भी कहां-कहां से पैसे चुराये हों'। उस दिन की पिटाई से मैं शरीफ़ बच्ची बन गई थी। पीपल के पेड़ पर रखी मिठाई फिर भी मुझे ललचाती थी, पर मैं मुंह फेर के निकल जाती थी। मैंने दादागिरी भी छोड़ दी और नवीन से भी दोस्ती खत्म कर ली थी।

अब मेरी दोस्ती गली के कुत्तों और सांडों तथा गायों से हो गई थी। स्कूल से आने के बाद मैं इन्हीं के साथ खेलती, इन्हीं के साथ भागती। इनके ऊपर रंग से कभी अपना नाम लिखती तो कभी इनका नाम जो मैंने ही रखा था। मेरे एक आवाज लगाते ही मेरे ये दोस्त तुरंत मेरे पास आ जाते थे। गौरी, कजरा, मेरी गाय थी। शेरू छुटकु,कालु और भौंभौं, ये कुत्ते थे। विनायक छोटा बछड़ा था और बब्बर बड़ा और मोटा ताजा सांड था।

डाकौत पंडित की घरवाली अब सुबह शाम पीपल की सफाई करने आती थी। पर सिर्फ शनिवार को।

तंग गलियां धीरे-धीरे और तंग हो गई हैं, क्योंकि लोगों के घर की दहलीजें गलियों तक आ गई हैं। कमरों के ऊपर कमरे बनाकर लोगों ने आसमानी हवा को भी घेर लिया है। आजकल शनिदेव यहां मिठाई खाने भी नहीं आते क्योंकि, पीपल काट कर कई दुकानें बना दी गई हैं, जिनमें एक तो ब्रांडेड मिठाई की भी दुकान है।

मंदिर के ऊपर भी दो मंजिल बन गई हैं, जो शादी-ब्याह में बैंक्वेट हाल का काम करती हैं। तपती चिलचिलाती धूप में कोई शख्स बाहर ही नहीं था तो अपने या अनजान की पहचान कैसे करती। बार-बार गली में झांक रही थी। लग रहा था कि कोई अपना सा अहसास गर्म लूं के साथ आ रहा था। सामने पलट कर दुकानों की चमचमाती भीड़ में से अपनी मीठी गोलियों वाली दुकान तलाशने की कोशिश की, पर जैसे कोई नहीं थी वहां। तुक्के से गली के कोने वाली दुकान पर जाकर मीठी रंग-बिरंगी गोलियां मांगी तो हैरान से दुकानदार ने ब्रांडेड टाफियों का जार मेरी तरफ सरका दिया था।

मैम, शायद आपको ये चाहिए? निरूतर सी मैं एक ठंडी लैमन की बोतल खरीद कर बैग के हवाले करती हूं। मुझे लगभग बीस मिनट हो गए हैं, छुटकु कालू,भौंभौं, शेरू कोई भी नहीं दिखा। गौरी और कजरी तो पीपल के पेड़ के नीचे बैठी रहती थी, पर अब तो वो पीपल भी नहीं था। बब्बर तो धूप में भी ढां-ढां करता घूमता था। वो भी नजर नहीं आया कहां चले गए सब।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना। इसलिए तो कोई बोला नहीं।

मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैं पटरी के पास पहुंच तो गई पर ट्रेन दनदनाती हुई निकल चुकी थी।

कविता
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

मेरे मन की बात

आदमी में इस कदर विष भर गया है।
विषधरों का वंश सारा डर गया है।
कल सुनोगे आदमी के काटने से,
रास्ते में सांप कोई मर गया है।

दुनिया में जिधर देखो नजर आते हैं पत्थर श।
उठ-उठ के एक-दूजे से टकराते हैं पत्थर।
है ख्वाब तो हसीन कि मंदिर में सजेंगे ,
छेनी की चोट से मगर घबराते हैं पत्थर।

चेहरों पर मुस्कान नहीं है, दिल में हिन्दुस्तान नहीं है।
कहने को तो फूल हैं लेकिन खुशबू से पहचान नहीं है। जब-से कट्टरपंथी डायन आन बसी है इस बस्ती में,सब हिन्दू या मुसलमान हैं, कोई भी इन्सान नहीं है।

हवाओं को तो बेशक खल रहा हूँ।
चिराग़ों की तरह मैं जल रहा हूँ।
जिन्होंने राह में कांटे बिछाए,
उन्हें भी साथ लेकर चल रहा हूँ।

कविता
राज़ ख्यालिया

लहू में डूबी वादियां

लहू में भीगी हर गली, है सरज़मीं कश्मीर की,
सिसकती हैं दरख़्त भी, गवाही दें तहरीर की।

न पूछो कैसी आग है, बहारों की ज़मीं पे अब,
हर एक शाख़ पे दिखे है, परछाईं तासीर की।

बग़ावतें न थीं वहाँ, न कोई जुर्म, न इल्तिजा,
मगर भीड़ ने छीन ली, सदा किसी ज़मीर की।

कभी जो गूंजती थी वहाँ, अज़ान, दुआ, मोहब्बतें,
वहाँ अब गूँजती है सदा, किसी शहीद तीर की।

वो माँएँ पूछती हैं अब, कहाँ है मेरा लाल कहो,
नदी भी चुप है आजकल, कहानी एक नीर की।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

नाथ कुंवारी हूं

तू ग़ज़लों का शहज़ादा तो मैं भी राजकुमारी हूँ
तेरे शब्दों के संग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

तुझ पर जीवन साथी मैने अपना सब कुछ वार दिया
तेरी ख़ातिर हीं तो मैंने गीतों का श्रृंगार किया
तू मेरी अभिलाषा है और तुझ पर मैं बलिहारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

मेरी ग़ज़ल ख़्यालों के तुम हो गीतों के शान्त स्वर
जैसे साँझ ढले तारों से बिछा हुआ प्यारा अम्बर
तुम गीतों के पुष्प-सुमन तो मैं उसकी फुलवारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना सजन कुँवारी हूँ

तुझसे होती सुबह शुरू तो तुझसे ही है शाम पिया
तू है जो सँग मेरे तो दुःख भी सुख का नाम पिया
मेरे जीवन का कंचन तू तुझपर सब कुछ हारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना प्रिय कुँवारी हूँ

पाकर तेरा साथ मैंने पाया जीवन का सार है
तुमसे से ही जीवन मे आई ख़ुशियाँ बेशुमार है
तू मेरी खुशियों की चाभी मैं उसकी किलकारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ।

लघुकथा
डॉ . अंजना गर्ग

पार्क में भंडारा

अनु यह बड़े-बड़े लिफाफे उठाकर कहां जा रही है?' सुनीता ने अनु के हाथ में कई लिफाफे देख कर पूछा।
' पार्क में कुछ लोगों के द्वारा रोज भंडारा लगाया जाता है। वहीं पर जा रही हूं।' '
तो इनमे प्रसाद लेकर आएगी।' सुनीता ने लिफाफो को लगभग घूरते हुए सी पूछा।'
नहीं प्रसाद का तो एक कण लेती हू हाथ पर ही।'
' तो इनका क्या करेगी?'
' लोग खा खा कर इधर-उधर प्लेट्स डाल देते हैं। उड़-उड़ कर लोगों के घरों के दरवाजो तक आ जाती है। पार्क इतना गंदा हो जाता है कि लोग सैर नहीं कर पाते। बच्चे खेल नहीं पाते। कुत्ते प्लेट्स को चाटने आ जाते हैं। फिर तुम्हें पता है यहां तो बंदर भी अपना कोहराम मचाते हैं।'
' तो स्वीपर किस लिए है ? कर देगा सारी साफ सफाई। यह उनका ही काम है।' सुनीता ने मुंह बना कर कहा।
' वो सुबह एक बार सफाई कर जाता है। सारा दिन तो नहीं करेगा।'
' तो तू इन लिफाफों का क्या करने जा रही है?
' बस कुछ खास नहीं। भंडारा समाप्त होने पर सारी प्लेट्स उठा उठा कर इनमें भर लेती हूं। पास में ही डंपिंग ग्राउंड है वहां डाल आती हूं।' अनु ने मुस्कुराते हुए कहा।
' तेरे घर में सफाई करने मेड आती है और तू वहां सफाई करने जा रही है।'
' यही तो सुनीता हमारी सोच है कि गरीब का काम है सफाई करना। अमीर का काम है दान पुण्य करना।' अनु ने उस की ओर देखते हुए कहा।' हां तो ठीक है ना, जिसके पास पैसा नहीं वह सफाई कर दे।' सुनीता ने हाथ मटकते हुए कहा।' और हम पैसे वाले गंद डालकर, घर आकर बैठ जाए।' ' आखिर क्या कहना चाहती हो तुम अनु- ---'
' यही कि दान पुण्य से ज्यादा जरूरी है इस धरा की साफ सफाई जिसको हम सब धरती मां तो कहते हैं पर इसको हम इतना प्रदूषित कर रहे हैं कि पृथ्वी के कणों की सांस भी रुक गई।' ' पर तेरे अकेले के करने से क्या होगा? सुनीता ने अनु की तरफ लापरवाही से प्रश्न उछाला।' यूंही कारवां बनता है।' कहती हुई अनु पार्क की ओर बढ़ चली। अनु के शब्दों में पता नहीं क्या जादू था कि सुनीता भी पीछे-पीछे हो ली ।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कवयित्री एवं लेखिका अनामिका वालिया का कहना है कि आज भी साहित्यिक लेखन प्रगति पर है और नई युवा पीढ़ी भी साहित्य क्षेत्र में बेहतर लेखन कर रही है, जिससे कहा जा सकता है कि साहित्य बेहतर स्थिति में है। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से साहित्य लेखन ज्यादा बढ़ा है। इससे भी युवा पीढ़ी साहित्य के प्रति आकर्षित हो रही है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

समाज को नई दिशा देता है साहित्य : अनामिका वालिया

हिन्दी साहित्य के संवर्धन के लिए लेखक अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में कवयित्री अनामिका वालिया भी सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। देशभक्ति और समाज में महिलाओं के मुद्दे पर भी कविताओं का लेखन और मंच से समाज को सकारात्मक संदेश देते हुए उन्होंने परिवार से मिली विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

शिक्षाविद्, लेखिका एवं कवयित्री अनामिका वालिया शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत करते हुए कुछ ऐसे पहलुओं का भी जिक्र किया है, जिसमें उनका मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है। महिला साहित्यकार अनामिका वालिया का जन्म 19 मई 1989 को जिला कैथल में देशबंधु वालिया और दमयंती वालिया के घर में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय रमेश चंद्र ने आज़ाद हिंद फौज के सेनानी के रूप में और उसके बाद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की। इसलिए देशभक्ति और देश प्रेम भी विरासत में मिला। जबकि मामा स्वर्गीय अमरजीत अहलूवालिया कविता लेखन किया करते थे, तो उन्हें साहित्यिक माहौल मिलने के कारण बचपन में कविता लेखन में रुचि पैदा हुई। शायद यही कारण है कि उन्होंने 13-14 वर्ष की आयु से कविता लेखन शुरू कर दिया था। पहली कविता साहित्य सभा कैथल के मंच से चौदह वर्ष की आयु में पढ़ी जहां वह अपने पिता के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। इतनी कम उम्र में कविता लिखने और उसके पाठन पर सभी हैरान रहे।

अनामिका की प्रारंभिक शिक्षा कैथल और उच्च शिक्षा अंबाला शहर से पूरी हुई। अंबाला के एमडीएसडी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में द्वितीय व अंबाला ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में नेशनल यूथ फेस्टिवल में पूरे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। साल 2014 से शिक्षा विभाग हरियाणा में अंग्रेजी लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं देना प्रारंभ किया। एक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित विभिन्न नाटकों का लेखन एवं निर्देशन भी किया, जो राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिए शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। साल 2018 में हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में इनका विवाह हुआ। परिवार और दो जुड़वां बेटियों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए साहित्यिक सफर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और साहित्य के प्रति अपने समर्पण से अपने इस सफर को निरंतर जारी रखा। वर्तमान में अपने परिवार के साथ यमुना नगर में रहकर अध्यापन और साहित्य सेवा कर रही हैं। उनकी साहित्यिक गतिविधियों को परिवार के लोगों का प्रोत्साहन भी अहम रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के लेखन में देश, समाज और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया है। वहीं उन्होंने सैनिकों के शौर्य का जयगान तो कभी राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविताओं को भी साहित्य मंच पर उतारा है। उनकी एक प्रसिद्ध रचना 'बेटियां मैदान में उतार दूं' स्कूल कॉलेज की बच्चियों को इतनी पसंद आई कि विभिन्न प्रतियोगियों में उन्होंने इसे प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ करना प्रारंभ किया और देश के अनेक प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों पर काव्यपाठ किया है। इनका कहना है कि साहित्य जगत में एक बात आहत करने वाली है, कि साहित्यिक मंचों पर कविताओं के नाम पर चुटकले और अश्लीलता परोसी जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना जरुरी है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, इसलिए साहित्यकारों और लेखकों को युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति प्रेरित करने वाला साहित्य सृजन करने की जरुरत है, ताकि समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके। मसलन विशुद्ध साहित्य की रचना बेहद जरूरी है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला कवयित्री एवं शिक्षका अनामिका वालिया ने अल्प आयु में ही कविताओं का लेखन शुरू कर दिया था और वीर रस की कविताओं के संकलन के रूप में 2014 में इनकी पहली काव्य पुस्तक 'एक और इंकलाब' पाठकों के सामने आई। उनकी इस प्रकाशित पुस्तक में देश प्रेम और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कविताओं को समायोजित किया गया है। इसके अलावा उनकी रचनाएं विभिन्न समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं।

अनामिका वालिया

पुरस्कार व सम्मान

अनामिका वालिया को हरियाणा सरकार गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है। साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारायणी फाउंडेशन के रूपा राजपूत सम्मान, रोटरी क्लब के ऑनरेरी मेंबर सम्मान मिला है। भारत विकास परिषद अंबाला शहर और पंचनद शोध संस्थान यमुना नगर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें देश व विभिन्न राज्यों की साहित्यिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा काव्य मंचों से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : अनामिका वालिया
जन्मतिथि : 19 मई 1989
जन्म स्थान : कैथल, (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी)
संप्रति : लेक्चरार (शिक्षा विभाग हरियाणा), लेखक एवं कवियत्री

बच्चों में समाज सेवा के रंग भरता 'नाचू के रंग'

पुस्तक : नाचू के रंग
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : पंचशील प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा 1971 से निरंतर बाल साहित्य की रचना करते आ रहे हैं। बाल साहित्य की उनकी पचास से अधिक पुस्तकें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। 'नाचू के रंग' नया उपन्यास अब पाठकों के हाथों में है।

उपन्यास के नायक बालक नाचू के माध्यम से लेखक ने बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी सामाजिक सरोकारों के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संदेश दिया है। बालक नाचू जो चित्रकार है अपनी ब्रुश और रंग के जरिये ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाता है। इस उपन्यास में लेखक ने मनोरंजन के साथ-साथ सीख भी दी है। नाचू जो अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस रखता है और साथ ही दूसरों की मदद भी करता है।

उपन्यास में नाचू का पेंटिंग का शौक किस तरह से चोर और डाकुओं को पकड़वाने में मदद करता है यह समाज के प्रति उसके दायित्व का दिखाता है। एक बार वह विज्ञापन के कटाउट पर चौकीदार का चित्र बना देता है और उससे डरकर चोर को पकड़ लिया जाता है। नाचू जब अपने साथियों के साथ जंगल में डाकुओं को देखते हैं और उन्हें डाकुओं द्वारा छिपाया हुआ खजाना मिल जाता है तो नाचू किस तरह से सूझबूझ का परिचय देते हुए बक्से का रंग बदलकर खजाने को गांव में लाकर पुलिस के हवाले करते हैं तो यह इस बात का संदेश देती है कि इंसान को विपरीत परिस्थितयों में भी धैर्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। नाचू के रंग ब्रुश की सफलता इस बात में कही जा सकती है कि उसने सफाई का संदेश देते चित्र बनाकर सवाल उठाया तो डंपिंग स्टेशन बनी जगह पर लोगों ने कूड़ा डालना बंद कर दिया। इसके साथ ही नाचू के रंग के बाल नायक के माध्यम से लेखक ने पौधरोपण का भी सफल संदेश दिया है।

बाल उपन्यास समाज की सभी छोटी बड़ी समस्याओं को उजागर करता हुआ और उनके समाधान प्रस्तुत करता नजर आता है और वह भी पूरे मनोरंजक तरीके से। उपन्यास इतना रोचक है कि पाठक एक बार में ही पूरा पढ़ जाता है।

लेखक गोविंद शर्मा के उपन्यास की भाषा सहज और सरल है। शीर्षक को साकार करते उपन्यास का कवर भी सुंदर बन पड़ा है। कुल मिलाकर नाचू के रंग उपन्यास सामाजिक सरोकारों के रंगों से सराबोर है। लेखक इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित आरोपी दबोचा

सिरसा। सदर थाना पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले युवक को काबू किया है। सदर थाना प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि गांव बालासर निवासी साहब राम पुत्र रामकिशन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 30 मई 2025 को बाइक लेकर शाह सतनाम सिंह सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल सिरसा में आया हुआ था। बाइक को सुबह करीब 9:30 बजे हॉस्पिटल के बाहर गेट पर खड़ा कर अंदर चला गया था। शाम के समय घर जाने के लिए बाइक को देखा तो अज्ञात युवक द्वारा बाइक चोरी करना पाया गया।

सात दिवसीय भाषा समर कैंप संपन्न

चोपटा। भारतीय भाषा समर कैंप का समापन रविवार को राजकीय उच्च विद्यालय बरूवाली प्रथम में किया गया। इस अवसर पर एसएमसी प्रधान प्रेमचंद, सदस्य व विद्यालय का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा। कैंप के कोर्डिनेटर गुरदीप राय ने एसएमसी प्रधान व सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं की छात्रा ने कैंप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्कूल मुखिया प्यारेलाल ने कैंप को सफल बनाने के लिए सभी बच्चों, अध्यापकों व एसएमसी के सदस्यों का धन्यवाद किया। कैंप में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शिविर में 210 लोगों की जांची आंखें

सिरसा। बाबा बिहारी नेत्रालय की ओर से श्री मारूति मंदिर में रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। ट्रस्ट के सचिव शेखर महिपाल ने बताया कि शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञा डॉ. नीरू गिजवानी अपनी टीम के साथ 201 मरीजों की आंखों जांची व 15 लोगों को ऑप्रेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर में आने वाले मरीजों को जरूरत के अनुसार दवा भी निःशुल्क दी गई। ऑप्रेशन के लिए चयनित मरीजों के बाबा बिहारी नेत्रालय में निःशुल्क आप्रेशन किए जाएंगे।

गेहूं चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

हिसार। सदर पुलिस ने उत्तम सीड्स से गेहूं चोरी के मामले में एक आरोपी ढंढूर निवासी सुनील को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरीशुदा गेहूं और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।मुख्य सिपाही अजयदीप ने बताया कि 8 मई को थाना सदर हिसार में उत्तम सीड्स हिसार के गोदाम से गेहूं बीच चोरी होने के बारे में रमेश कुमार ने शिकायत दी थी। इस पर सदर थानाकेस द र्ज करके कार्रवाई करते हुए उपरोक्त आरोपी सुनील कुमार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी से चोरीशुदा गेहूं और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद किया है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया।

स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं बल्कि एक निरंतर प्रक्रिया : एसपी

फतेहाबाद पुलिस का स्वच्छता संकल्प, थानों और चौकियों में चलाया सफाई अभियान

■ यह अभियान न केवल पुलिस बल्कि आम नागरिकों के बीच सकारात्मक संदेश देने का एक प्रभावशाली माध्यम भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। सफाई अभियान में जुटे पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद पुलिस विभाग ने समाज में स्वच्छता और अनुशासन की मिसाल पेश करते हुए हर रविवार को चल रहे स्वच्छता अभियान को पूरी निष्ठा से जारी रखा है। जिले के सभी थानों, पुलिस चौकियों और अन्य युनिटों में पुलिसकर्मियों द्वारा साफ-सफाई कर वातावरण को स्वच्छ और सकारात्मक बनाए रखने का कार्य लगातार किया जा रहा है। आज भी पुलिस कर्मचारियों ने स्वयं हाथों में झाडू लेकर थानों व पुलिस चौकियों की साफ- सफाई की।

यह अभियान न केवल कार्यालय परिसरों की स्वच्छता तक सीमित है, बल्कि पुलिसकर्मियों में साफ-सुथरे कार्यस्थल की भावना को बढ़ावा देने और आम नागरिकों के बीच सकारात्मक संदेश देने का एक प्रभावशाली माध्यम भी बन चुका है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत पुलिस विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है कि थानों और चौकियों के परिसर, रिकॉर्ड रूम, हवालात, कार्यालय कक्षों और आस-पास के क्षेत्र में पूरी तरह सफाई की जाए। इस कार्य में अधिकारी से लेकर सिपाही तक सभी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एसपी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं बल्कि एक निरंतर प्रक्रिया है। इस पहल से न केवल कार्यस्थल की व्यवस्था बेहतर हुई है, बल्कि यह आमजन के लिए पुलिस की छवि को और अधिक भरोसेमंद बनाने में सहायक भी है। फतेहाबाद पुलिस का यह निरंतर प्रयास यह दर्शाता है कि पुलिस सिर्फ कानून व्यवस्था ही नहीं संभालती, बल्कि सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

सिरसा। अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल स्टाफ के सदस्य।

द डैफोडिल स्कूल में सम्मान समारोह का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

गांव मौजदीन स्थित द डैफोडिल स्कूल में प्रतिमा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दसवीं कक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल डायरेक्टर सुखदयाल सिंह थिंद ने बताया कि सीबीएसई दसवीं के वार्षिक परिणामों में 2 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत व 3 विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मेरिट हासिल की और नए कीर्तिमान स्थापित किए। विद्यालय को बने तकरीबन 6 वर्ष हुए हैं और ये दसवीं का दूसरा बैच पासआउट हुआ है, जिसमें अपूर्वा कम्बोज ने 95.40 प्रतिशत व वयोम कम्बोज ने 94.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ब्लॉक व जिला स्तर पर विद्यालय व माता-पिता का नाम रोशन किया है। पारस ढोट, चयनित निराणियां, अशमीत कौर ने 85 प्रतिशत के करीब अंक हासिल कर मेरिट में अपना नाम दर्ज करवाया। विद्यालय की तरफ से इन सभी विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर स्कूल डायरेक्टर सुखदयाल थिंद, मैनेजिंग डायरेक्टर व प्रधानाचार्य रणजीत कम्बोज, डायरेक्टर प्रिंस कम्बोज, नवीन कम्बोज, विद्यार्थियों के अभिभावक मौजदू रहे।

कैंसर से बचने के लिए ऑर्गेनिक गेहूं और फल सब्जियों का करें इस्तेमालः डॉ. मुकेश

■ श्री गोशाला में जागरूकता कैंप का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। अतिथियों को सम्मानित करते हुए आयोजक। फोटो : हरिभूमि

अमेरिकन ऑकोलॉजी इंस्टीट्यूट, हिसार के तत्वावधान में हरियाणा स्टेट पेंशनर्स समाज सिरसा व बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक वेलफेयर ट्रस्ट के सिरसा के सहयोग से कैंसर के प्रति एक जागरूकता कैंप का आयोजन श्री गौशाला में किया गया। कार्यक्रम में कैंसर के सुपर-स्पेशलिस्ट डॉ. मुकेश कुमार जांदू व उनके साथ उनके असिस्टेंट मैनेजर कपिल पांडे ने उपस्थिति दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि कैंसर किसी को भी हो सकता है। डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि कैंसर से बचने के लिए हमें आर्गेनिक गेहूं, सब्ज़ी और फल का खानपान करना चाहिए। हमें रंग से बनी हुई मिठाइयों या रंगदार चीजों को सेवन नहीं करना चाहिए। उन्होंने प्रोस्टेट कैंसर, मुंह और गले व सर्विक्स कैंसर, लंग कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और एसोफेगस कैंसर के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर डॉ. मुकेश कुमार जांदू कैंसर स्पेशलिस्ट व असिस्टेंट मैनेजर कपिल पांडे को दोनों संस्थाओं की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर बुक बैंक के अध्यक्ष गुरदीप सैनी, पेंशन समाज के जिलाध्यक्ष राजेंद्र मोहन गुप्ता, सुशील बागड़ी, राजकुमार खूंगर, गौरीशंकर गोदारा, मानसिंह गोदारा, राजकुमार निजात, सतीश मित्तल, सौजन्य विमलेश, नवीन सिंगला, बलवंत सिंह, नरेंद्र सिंह, रतन सिंह दुरेजा, प्रेम कंदोई, महेंद्र सिंह, नवीन सिंगला, अनिल सैनी, डीएस भांभू सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सतगुरू कृपा अपना घर आश्रम में गूंजी राधा नाम की धुन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। श्री सतगुरू कृपा अपना घर आश्रम में भजनों की अमृतवर्षा करते कलाकार।

गुरुकृपा मंडल द्वारा श्री सतगुरु कृपा अपना घर आश्रम में राधा नाम सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल की सेवादार ममता तनेजा ने ज्योति प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उसके बाद भारत टुटेजा ने गणेश वंदना, गुरु वंदना के साथ गुरु महिमा का गुणगान किया। भारत टुटेजा ने बताया कि नर सेवा ही नारायण की सेवा है, इसलिए हमें इन सेवा घरों में जाकर सेवा कृणी करनी चाहिए और अपना पुण्य अर्जित करना चाहिए। भारत टुटेजा ने अपने भजनों में 'सतगुरु में तेरी पतंग, राधे राधे बोल श्याम आएंगे, बिन पिए नशा हो जाता है' की प्रस्तुति दी। उसके बाद ममता तनेजा ने 'नाम मेरी राधा रानी का, जिस जिस ने गाया है' गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। उसके बाद दास करण रसिया ने श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। इस उत्सव के दौरान उत्सव तेरिया का जन्मदिन मनाया और सब के साथ केक कट करके सभी का आशीष लिया। उसके बाद आरती और सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल के सभी सदस्यों में गो सेवा भी की।

हिसार। शिव दरबार में पूजा-अर्चना करते समाजसेवी धर्मेन्द्र मलिक, सक्षम मलिक व अन्य।

शिव भजन संध्या में बम लहरी... पर झूमे श्रद्धालु

हिसार। सेक्टर 14 स्थित बुधला संत मंदिर में शिव भजन संध्या का आयोजन किया गया। सेक्टर 14 निवासी व अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े समाजसेवी धर्मेन्द्र मलिक ने बताया कि भजन संध्या में अनेक गायकारों ने भजनों की वर्षा की। गाये गये भजनों से समां बांधा जिन पर श्रद्धालु घंटों तक झूमते रहे। भजन संध्या में आये श्रद्धालुओं का सक्षम मलिक ने स्वागत किया। आरती के साथ सम्पन्न हुई भजन संध्या के पश्चात भंडारा चलाया गया। इस अवसर पर नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली, पूर्व मेयर गौतम सरदाना, पूर्व पार्षद टीनू जैन, प्रवीन केडिया, अजय जिंदल, सेक्टर 14 के फ्रेंडस क्लब, सनशाइन ग्रुप, योगा ग्रुप व लायंस क्लब के अनेक सदस्यों के अलावा ग्रोवर, आहुजा, सेतिया परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से ठगी मामले में महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

■ आरोपी महिला को अदालत के आदेशों के बाद मिली जमानत

■ दो आरोपियों को पहले की किया गिरफ्तार

सीआईए फतेहाबाद पुलिस टीम ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से ठगी के मामले में महिला आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार महिला की पहचान उषा चौधरी पत्नी विजय चौधरी निवासी चौधरी कालोनी, फतेहाबाद के रूप में हुई है। इस मामले में दो आरोपियों पंकज कुमार पुत्र भीमसेन, निवासी चौधरी कॉलोनी, फतेहाबाद व अनिल कुमार मल पुत्र अशोक मल, निवासी एमसी कॉलोनी, फतेहाबाद को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में 29 मई को मामला दर्ज किया गया था। आरोपी महिला को अदालत के आदेशों के बाद जमानत मिल गई है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंकज नामक युवक विश्वकर्मा मंदिर के पास 'पंकज मोबाइल एंड स्टेशनरी' नामक दुकान चलाता है, वह अपने साथियों मोहित चौधरी, एक महिला साथी और मन्नू निवासी हिसार के साथ मिलकर एक संगठित साइबर ठगी गिरोह संचालित कर रहा है। यह गिरोह विभिन्न ऑनलाइन मोबाइल ऐप्स के माध्यम से आम नागरिकों को निवेश के लिए प्रेरित करता है और अधिक लाभ का लालच देकर उनसे राशि ऐंठकर ठगी करता है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बीघड़ चौक स्थित दुकान पर छापा मारकर पंकज कुमार को मौके पर गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और 5 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। जांच के दौरान पंकज के मोबाइल में एक व्हाट्सएप संदेश मिला जिसमें 20 अप्रैल 2025 को किसी महिला को 1.5 एल यानी 1.5 लाख रुपये भेजने का उल्लेख था। पूछताछ के दौरान पंकज ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों को ठगने के उद्देश्य से उन्हें फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाता था और उनके साथ धोखाधड़ी करता था। बरामद नकदी के संबंध में आरोपी ने बताया कि यह राशि मोहित चौधरी द्वारा भेजे गए एक व्यक्ति से प्राप्त की गई थी। मुख्य आरोपी पंकज से हुई पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उसके एक और सहयोगी अनिल कुमार मल के बाद महिला आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

सूरज कॉलेज बीसीए की छात्रा रिया शर्मा ने विश्वविद्यालय में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रिया शर्मा

मनीषा

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा फाइनल सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बीसीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 81.60 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स के छात्र आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 74.00 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्र विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने 68.60 प्रतिशत, हर्ष पुत्र नरेश ने 68.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं बीएससी आनर्स फिजिक्स फाइनल सेमेस्टर की छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

नेहरू पार्क और शहीद भगत सिंह स्टेडियम में करवाया ध्यान का अभ्यास

योग दिवस को लेकर प्रशिक्षण शिविर का किया आयोजन

सिरसा। भगत सिंह स्टेडियम में योगाभ्यास करते लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

■ कर्मचारियों ने पेड़ लगाकर योग और प्रकृति के बीच संतुलन का उदाहरण पेश किया

अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष्य में नेहरू पार्क और शहीद भगत सिंह स्टेडियम में योग प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिले के सभी ब्लॉकों में भी योग शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला योग समन्वयक डॉ. सुरेंद्र नागर ने नेहरू पार्क और शहीद भगत सिंह स्टेडियम में कॉमन योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण का नेतृत्व किया। शिविर में ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, कटि संचालन, घुटना संचालन, योगासनों में ताड़ासन, वृक्षासन, व्रजासन, मकरासन, भुजंगासन, सेतुबंध, अर्धहलासन, पवन मुक्तासन, शवासन प्राणायाम के अभ्यासों में कपालभाति (शुद्धि क्रिया), नाड़ी शोधन, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास करवाया गया।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक में योग प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें हर आयु वर्ग ने हिस्सा लिया। शहीद भगत सिंह स्टेडियम के जूडो हॉल में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने योगासनों की निपुणता दिखाई। आयुष और खेल विभाग के अधिकारियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया, जिसने युवाओं में योग के प्रति जोश बढ़ाया। शहीद भगत सिंह स्टेडियम में पौधारोपण के जरिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। आयुष योग सहायकों, आयुष विभाग और खेल विभाग के कर्मचारियों ने पेड़ लगाकर योग और प्रकृति के बीच संतुलन का उदाहरण पेश किया।

सत्संग | **मस्ताना शाह बिलोचिस्तानी आश्रम डेरा जगमालवाली में मासिक सत्संग आयोजित**

मन ही हमारा असली दुश्मन, इस पर काबू कर लें तो सारी दुनिया ही अपनी नजर आती

असली सुख और शांति अपने आप की खोज करने में : संत बिरेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कालांवाली

सिरसा। डेरा जगमालवाली में सत्संग करते संत बिरेंद्र सिंह।

मस्ताना शाह बिलोचिस्तानी आश्रम डेरा जगमालवाली के संत बिरेंद्र सिंह ने कहा है कि संत इस दुनिया में जीवों को जगाने के लिए आते हैं। संत मालिक के घर का रास्ता बताने के लिए आते हैं। यह घर हमारा पक्का ठिकाना नहीं है, हम यहां अस्थायी वीजा पर रह रहे हैं। संत बिरेंद्र सिंह रविवार को डेरा में आयोजित मासिक सत्संग में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

संत ने कहा कि इस दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं है। हमारा असली दुश्मन हमारा मन ही है। इस मन को काबू में कर लें तो सारी दुनिया ही अपनी नजर आती है। अहंकार को ही छोड़ दो, आधी समस्या अपने आप ही हल हो जाएगी। मैं कुछ हूं और मैं किसी से कम नहीं हूं, यह अहंकार ही तो है। बाहर की मान-बढ़ाई का कोई फायदा नहीं है। फायदा है तो केवल सिमरन का है। जैसे पर्यटक बाहर कुछ दिन के लिए घूमने जाते हैं, वहां अपने क्षेत्र का व्यक्ति मिलने पर प्रेम से मिलते हैं और वहां झगड़ा नहीं करते और उस पर्यटन क्षेत्र का आनंद लेते हैं, वैसे ही दुनिया भी पर्यटक स्थल ही है, सबको मिलकर ही रहना है। यहां कोई दुश्मन नहीं और यहां लड़ाई नहीं लड़नी है। ईर्ष्या, निंदा और आलोचना में नहीं पड़ना।

उन्होंने कहा कि वक्त पूरा होने पर सबको जाना होता है। संतों को भी मानने की बजाय जानना है। जब तक अंदर के गुरु को न जान लें, तब तक मन डोल रहता है। उन्होंने कहा कि संतों के हुक्म में रहना ही सिमरन है। संतों के हुक्म के बाहर काल ही काल है। संतों का काम नाम जपाना है। संत हमारे जन्मों के बंधन को तोड़ने के लिए आते हैं। हमारी श्वास रूपी पूंजी हर रोज कम होती जा रही है। एक-एक दिन कर मौत के नजदीक जा रहे हैं। जिसने राम नाम का व्यापार कर लिया, उसकी इस दुनिया में भी बल्ले-बल्ले है और मालिक की दरगाह में भी बल्ले-बल्ले है। सत्संग सुनने का यह फायदा है कि भजन-सिमरन पर ध्यान रहता है। इस दुनिया में जिस संत ने राम नाम का व्यापार किया, उसको हम दिल से पूजते हैं और जो दुनिया के पुजारी बने, उनको आज कोई नहीं पूछता है। इस दुनिया में बाहर की सुख-शांति नहीं है। अगर दुनिया में बाहर की सुख-शांति होती, तो महात्मा बुद्ध राजमहल को छोडक़र जंगल में जाकर क्यों बैठते? असली सुख-शांति तो अपने आप की खोज करने में है। अंदर जो अमृत का झरना बह रहा है, उस झरने की बूंद पीने में है।

संत ने कहा कि हमें सोचना पड़ेगा कि सुबह उठकर जिस रास्ते की ओर भागकर जा रहे हैं, क्या वह सही रास्ता है। शाम को बेचैन होकर थके-हारे घर के अंदर आते हैं। क्या हम सही काम करके आए हैं? जो व्यापार हम कर रहे हैं, क्या वह सही है? 24 घंटों में हमने भजन-सिमरन नहीं किया, तो हमारा यह दिन व्यर्थ चला गया है। पूरा दिन ही दुनिया के कामों में ही चला गया। हमें दोनों में संतुलन बनाकर ही चलना है। संतुलन बनाकर न रखने के कारण ही हमारे पर इतने दुख-तकलीफ आती हैं।

खबर संक्षेप

कंपनी के कार्यालय से दो लाख की नकदी चोरी

सिरसा। साहुवाला प्रथम से रघुआना रोड पर एक कंपनी के कार्यालय से 2 लाख रुपए की नकदी चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव छात्र जिला जींद निवासी राजेश कुमार ने बताया कि वह साहुवाला प्रथम में श्री कंस्ट्रक्शन इंजीनियर कंपनी के नाम से बजरी-तारकोल का प्लांट चलाता है। उसने बताया कि रघुआना रोड पर कंपनी का कार्यालय बना हुआ है। कार्यालय में उसने एक कुक नारायण निवासी शिवपुर जिला कपिलवस्तु (नेपाल) को रखा हुआ है। कंपनी कार्यालय में रखी मेज की दराज में उसने दो लाख की नकदी रखी हुई थी। दोपहर को कुक नारायण गांव खुइयां नेपालपुर निवासी रोशन की बाइक लेकर किसी काम से गया था। रात्रि करीब 9 बजे जब वह कार्यालय में आया तो मेज की दराज में रखी 2 लाख रुपए की नकदी गायब मिली। उसे शक है कि उसका कुक नारायण ही नकदी चोरी कर ले गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बस स्टैंड पॉर्किंग से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। स्थानीय बस स्टेंड की पार्किंग से चोर मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पुरानी हाउसिंग बोर्ड निवासी पीयूष खत्री ने बताया कि बीती 4 जून को वह बस स्टेंड पार्किंग में अपनी बाइक खड़ी कर रिश्तेदारी में चला गया। सुबह जब आकर बाइक संभाली तो गायब मिली। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जेजेपी चलाएगी सदस्यता अभियानः अशोक वर्मा

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने बताया कि आगामी 15 जून से 31 जुलाई तक पार्टी हरियाणा प्रदेश मे जेजेपी सदस्यता अभियान चलाएगी और संगठन व पार्टी में ताऊ देवीलाल की नीतियों में विश्वास रखने वाले लोगों को जेजेपी के साथ जोड़ेगी। वर्मा ने कहा कि सिरसा में भी जेजेपी द्वारा अपना सदस्यता अभियान 15 जून से शुरू किया जाएगा और हर हलके में 5 हजार नए सदस्य जोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिरसा जिले में पूरे जोर शोर से यह अभियान चलाया जाएगा और पार्टी का प्रत्येक कर्मठ कार्यकर्ता अपनी पूरी ताकत व ऊर्जा से इस अभियान को सफल बनाएगा।

बेगमपुरा अध्यन केंद्र का नींव पत्थर कार्यक्रम आयोजित

टोहाना। गांव चंदड़ कला में बेगमपुरा अध्यन केंद्र के नींव पत्थर रखने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुरु रविदास साधु सांप्रदायिक सोसाइटी पंजाब के प्रमुख संत निर्मल दास ने शिरकत की। इस दौरान सरबत द भला ट्रस्ट प्रमुखों संत जंगीर सिंह भी पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेगमपुरा चेरिटेबल ट्रस्ट से कर्मवीर दहिया ने अध्यक्षता की जबकि मुख्य प्रचारक प्रीत रविदासिया विशेष रूप से पहुंचे। इस दौरान हजारों की संख्या में संगत ने पहुंचकर कार्यक्रम में आए संतों के विचारों को सुना।

टोहाना में अग्रवाल सभा बनाएगी नए सदस्य

टोहाना। शहर के सिंबलवाला रोड स्थित अग्रवाल सभा भवन परिसर में अग्रवाल सभा कार्यकारिणी की बैठक प्रधान सुरेंद्र गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान सचिव सुरेश सिंगला ने अग्रवाल सभा के नए सदस्य बनाए जाने को लेकर प्रस्ताव रखा गया जिसमें सर्व सम्मति से पास करते हुए नई मेंबरशिप खोल दी गई। इसके तहत 31 अगस्त तक नए सदस्य बनाए जाएंगे ताकि टोहाना के अधिक से अधिक परिवारों को संस्था से जोड़ा जा सके। इसके अलावा बैठक में 21 साल के अधिक उम्र के लोगों को ही सभा से जोडऩे का प्रस्ताव रखा गया, जिसे पास कर दिया गया। इस दौरान संस्था द्वारा जरूरतमंद लोगों को राशन वितरण करने संबंधित बात को रखा गया। बैठक में सभा के अनेक सदस्यों ने भाग लिया।

कालांवाली के युवक को फिनलैंड का वीजा दिलवाने के नाम पर की थी ठगी

फर्जी वर्क वीजा एजेंसी का भंडाफोड़, मुख्य सरगना सहित दो आरोपियों को किया काबू

- आरोपियों से 9 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 26 वीजा कार्ड, भारत व नेपाल के 22 पासपोर्ट, 2 जाली स्टाम्प, आईडीबीआई बैंक की चेकबुक, ब्रॉडबैंड कनेक्शन व 22,000 रुपये नगद राशि बरामद

सिरसा। पुलिस द्वारा फर्जी वर्क वीजा एजेंसी के पकड़े गए आरोपी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

साइबर ठगों द्वारा भोले भाले लोगों को अपनी चालबाजी व लालच के आधार पर शिकार बनाया जा रहा है। डबवाली पुलिस इन्ही साइबर ठगों पर लगाम लगाते हुए उन पर कार्रवाई कर रही है। इसी अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए साइबर सुरक्षा शाखा प्रभारी अनिल कुमार की टीम व थाना कालांवाली पुलिस ने एक फर्जी वर्क वीजा एजेंसी का भंडाफोड़ करते हुए इस फर्जीवाड़े के मुख्य सरगना सहित दो आरोपियों को काबू कर उनके कब्जे से 9 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 26 वीजा कार्ड, भारत व नेपाल के 22 पासपोर्ट, 2 जाली स्टाम्प, आईडीबीआई बैंक की चेकबुक, ब्रॉडबैंड कनेक्शन व 22,000 रुपये नगद राशि बरामद करने में कामयाबी हासिल की है । आरोपियों की पहचान मुख्य आरोपी शाहबाज हुसैन उर्फ गोरंग उर्फ प्रजापति गोरंग पुत्र मोहम्मद हुसैन उर्फ राजकुमार निवासी मिरा रोड महाराष्ट्र हाल आफिस सूरत गुजरात व उसके साथी अजय कुमार पुत्र अमर सिंह निवासी संगम विहार, दक्षिण दिल्ली के रूप में हुई है।

विस्तृत जानकारी देते हुए उपनिरीक्षक ताराचंद व पीएसआई सतपाल थाना कालांवाली ने बताया कि दिनांक 17 अप्रैल 2025 को थाना कालांवाली में प्राप्त शिकायत में शिकायतकर्ता निवासी कालांवाली ने बताया कि वह माल्टा देश मे होटल में काम करता है और 4 महीने की छुट्टी पर आया। करीब तीन माह पहले उसने माल्टा से फिनलैंड जाने के लिए वर्क वीजा फिनलैंड फेसबुक पर सर्च किया तो एक व्हाट्सएप नम्बर दिखाई दिया। जिस पर उसने वाट्सएप काल की तो उन्होंने वर्क वीजा लगवाने के लिए हां कर दी। वर्क वीजा लगवाने की एवज में उन्होंने एक बैंक खाता संख्या वाट्सएप पर भेजी जिस पर शिकायतकर्ता ने वीजा बनवाने के लिए बारी बारी से दो लाख 53 हजार रुपये भेज दिए। जब शिकायतकर्ता ने वर्क वीजा लेने की बात कही तो उन्होंने ना तो वर्क वीजा दिया और ना ही पैसे वापिस किए, जिस पर अभियोग दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। जिसके लिए सतपाल के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। टीम ने साइबर सैल की सहायता से दो आरोपियों को उक्त सामान के साथ काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों शाहबाज हुसैन उर्फ गोरंग उर्फ प्रजापति गोरंग व अजय कुमार को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ करके इस मामले व अन्य वारदातों से जुड़ी जानकारी हासिल की जाएगी ।

वर्क वीजा पर आस्ट्रेलिया भेजने का झांसा देकर लाखों की ठगी वाला ट्रैवल एजेंट गिरफ्तार

फतेहाबाद। आस्ट्रेलिया का वर्क वीजा दिलवाने का झांसा देकर एक युवक से लाखों रुपये हड़पने के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी ट्रैवल एजेंट को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान शमशेर सिंह पुत्र वजीर सिंह निवासी आबोली जिला सिरसा के रूप में हुई है। आर्थिक अपराधा शाखा फतेहाबाद के प्रभारी इंस्पैक्टर संदीप कुमार ने बताया कि थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने इस बारे 27 मई को गांव सालमखेड़ा निवासी सुखराज सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार शमशेर सिंह ट्रैवल एजेंट का काम करता है और उसके साथ उसका पैसों का लेन-देन भी रहा है। शमशेर ने उसे कहा कि वह उसका आस्ट्रेलिया का वीजा लगवा देता है और इसके बदले उसे 22 लाख रुपये देने होंगे। इसके बाद अगस्त 2023 में शमशेर ने उससे पैसे लेने शुरू कर दिए। उसने फाइल लगवाने के नाम पर पैसे लिए। मार्च 2024 में उसने शमशेर के कहने पर मनप्रीत सिंह निवासी मोहाली के खाते में भी पैसे डाले। इसके बाद 31 मई 2024 को आरोपियों ने उसे फर्जी वीजा भेज दिया और फिर फॉर एक्स कार्ड के नाम पर साढ़े 3 लाख रुपये मांगे। इसके बाद अलग-अलग बहाने से शमशेर व मनप्रीत ने उससे आस्ट्रेलिया का वर्क वीजा दिलवाने का झांसा देकर उससे 11 लाख 68 हजार 800 रुपये हड़प लिए हैं। इन लोगों ने न तो उसका वीजा लगवाया और न ही रुपये वापस किए हैं। रुपये वापस मांगने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई है। इस मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच अधिकारी ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए शमशेर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

राजकीय विद्यालय गुरुसर में समर कैंप का समापन

रतिया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गुरुसर में भारतीय भाषा समर कैंप के अंतिम दिन समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्यातिथि के तौर पर गुरुसर गांव की सरपंच गुरप्रीत कौर ने भाग लिया वहीं अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य तरूण गेरा ने की। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य तरूण गेरा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और कैंप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तत्पश्चात बायोलॉजी प्रवक्ता तमन्ना बिश्नोई ने कैंप के आरंभ दो जून से लेकर अब तक हुई गतिविधियों की संपूर्ण रिपोर्ट सबके समक्ष रखी। मुख्यातिथि ने कहा कि इस तरह के कैंप निश्चित तौर पर विद्यार्थियों के भाषा संवर्धन व संपूर्ण विकास के लिए लाभदायक होंगे और इस तरह के आयोजन आने वाले समय में भी होते रहने चाहिए।

गुरुद्वारा साहिब नथवान में नाम सिमरन समारोह

रतिया। गुरुद्वारा गुरु ग्रंथ साहिब, अंगीठा साहिब नथवान में नाम सिमरन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में बड़ी संख्या में संगत नतमस्तक हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में बाबा नरेंद्र सिंह गुरमत विद्यालय के बच्चों ने रसभिन्ने शब्द कीर्तन से संगत को निहाल किया और इसके पश्चात भाई परमजीत सिंह के रागी जत्थे द्वारा शब्द कीर्तन की सेवा निभाई गई। इस दौरान सेवादारों ने संगत को वाहेगुरू गुरुमंत्र का अभ्यास करवाया गया। इस दौरान सेवादारों ने बताया कि हर रविवार को संगत को नाम सिमरन अभ्यास करवाया जाता है।

एसपी ने पुलिस कर्मचारियों को जन्मदिन पर दीं शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

एसपी सिद्धांत जैन न केवल जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने को लेकर सख्त नजर आ रहे हैं वहीं वह अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों की सामाजिक और भावनात्मक भलाई का भी विशेष रूप से ध्यान रखते हैं।

इसी क्रम में आज उन्होंने फतेहाबाद पुलिस में तैनात हवलदार अनिल कुमार, सिपाही तुषार, सिपाही राकेश कुमार और एसपीओ पवन कुमार को उनके जन्मदिन के अवसर पर व्यक्तिगत शुभकामना संदेश पत्र प्रदान किए तथा उनके स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस स्नेहपूर्ण पहल से कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कान और आत्मीयता का भाव देखने को मिला, जिससे कार्यालय का माहौल और अधिक सकारात्मक बना। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि एक सशक्त पुलिस बल केवल अनुशासन से नहीं, बल्कि आपसी सम्मान, संवाद और सहयोग की भावना से बनता है। जब प्रत्येक पुलिसकर्मी यह महसूस करता है कि वह केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि इस संगठन का अहम हिस्सा है, तो उसका मनोबल स्वयं ही ऊंचा हो जाता है।

शिक्षित होने के साथ संस्कारवान भी बनें युवाः प्रो. बिश्नोई

बिश्नोई सभा सिरसा ने प्रो. नरसीराम को किया बिश्नोई गौरव अवार्ड से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

समाज में नैतिकता के गिरते स्तर को सुधारने के लिए ही सरकार की ओर से नई एजुकेशन पॉलिसी लागू की गई है जिसमें शुरूआत से ही युवाओं को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया जाएगा ताकि युवा शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान भी बनें। उक्त बातें जीजेयू, हिसार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई ने रविवार को बिश्नोई मंदिर, सिरसा में आयोजित सात दिवसीय जांभाणी संस्कार शिविर के समापन पर बतौर मुख्यातिथि कहीं।

सर्वप्रथम बिश्नोई सभा सिरसा के प्रधान खेमचंद बेनीवाल के नेतृत्व में मंदिर में पहुंचने पर कुलपति प्रो. नरसीराम का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। प्रो. बिश्नोई ने कहा कि युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति के रंग में रंगकर संस्कारों को भूलती जा रही है। युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के लिए इस प्रकार के शिविरों का आयोजन किया जाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविरों के आयोजन का उद्देश्य यही है कि युवाओं को बिश्नोई पंथ के 29 नियमों के बारे में पूर्ण जानकारी मिले, समाज के इतिहास के बारे में युवा जानें। इसके साथ-साथ बढ़ रहे नशे पर कुलपति ने कहा कि पर्यावरण असंतुलन की भांति नशा भी समाज के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है।

सिरसा। पत्रकारों से बात करते हुए जीजेयू,हिसार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई। फोटो :हरिभूमि

लि प्रधान खेमचंद बेनीवाल ने कुलपति को सराहा

कार्यक्रम के दौरान बिश्नोई सभा, सिरसा ने कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई को बिश्नोई गौरव अवार्ड से सम्मानित किया। जिला प्रधान खेमचंद बेनीवाल ने बताया कि प्रो. नरसीराम अल्प समय के लिए चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति बने थे और उन्होंने बिश्नोई समाज की मांग पर विश्वविद्यालय के एक भवन का नामकरण माता अमृता देवी के नाम पर किया था, जोकि बिश्नोई समाज के लिए बड़े ही गौरव की बात है। इस अवसर पर प्रचार सचिव डॉ. मनीराम सहारण ने मुख्यातिथि को सात दिवसीय संस्कार शिविर के दौरान करवाई गई गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

श्रीराम दरबार की स्थापना अटूट धैर्य का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए।

अयोध्या नगरी में श्रीराम दरबार की स्थापना हमारी संस्कृति, चेतना, अस्मिता और श्रद्धा का पुनर्जागरण है तथा यह क्षण एक राष्ट्र के संकल्प, उसकी आस्था और उसके अटूट धैर्य की विजय का प्रतीक है। यह बात जितेंद्र बजाज ने एक निजी पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि कही।

उन्होंने कहा कि लगभग 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा, संघर्ष और तप के बाद आज वह शुभ घड़ी आई है, जब हम सब इस अद्वितीय एवं युगांतकारी क्षण के साक्षी बन रहे हैं। बजाज ने कहा कि श्रीराम दरबार आदर्श परिवार का प्रतीक है, जो प्रेम, निष्ठा और आपसी सम्मान को प्रोत्साहित करता है।

उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर में श्री राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा पर समस्त श्रद्धालुओं को वे बधाई देते हैं। इस अवसर पर लायंस क्लब सिरसा अमर के संस्थापक अध्यक्ष रमेश साहुवाला ने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के गर्भगृह में बाल स्वरूप में विराजमान रामलला के बाद अब राजा राम के रूप में भगवान श्रीराम, माता सीता और उनके भाईयों लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न, हनुमान जी सहित अपने दरबार में विराजमान हो गए हैं, जो एक ऐतिहासिक एवं दिव्य क्षण हैं। इस अवसर पर आशीश बजाज, कश्मीर कंबोज, भावना राजपूत ने मुख्यातिथि जितेंद्र कुमार बजाज को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और उनका आभार व्यक्त किया।

साप्ताहिक भाषा उत्सव शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलीमोहम्मद में भारतीय भाषा उत्सव के सात दिवसीय कैंप का रविवार को समापन हुआ। प्रवक्ता सतपाल इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी रहे। प्रत्येक दिन बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साह पूर्वक भाग लिया, जिसमें विभिन्न भाषाओं का ज्ञान, अभिवादन करना, वर्चुअल सिटी टूर, संवाद करना, मसाले, फलों व सब्जियां के नाम, पेंटिंग, कला, म्यूजिक, डांस, स्वतंत्रता सेनानियों, स्थानीय महान विभूतियां, विभिन्न नदियों, पर्वतों व ऐतिहासिक स्थलों के इतिहास, मनोरंजन दायक खेल, क्विज प्रतियोगिता आदि गतिविधियां करवाई गई। प्रधानाचार्य भूप सिंह ने कार्यक्रम को इतना शानदार बनाने के लिए बच्चों और स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद किया और बच्चों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी व प्रमाण पत्र वितरण किए। इस कार्यक्रम में स्टाफ सदस्य मनदीप सिंह, सेवक दास व गाइड कैप्टन सरला देवी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में स्काउट गाइड विंग के बच्चों ने अपनी सेवाएं दी। उधर, रानियां के मोहल्ला नाथोंवाला में स्थित राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में पिछले 7 दिनों से चल रहे भारतीय भाषा कैंप का समापन समारोह मनाया गया। इस कैम्प के बारे में जानकारी देते हुए स्कूल के मुख्याध्यापक योगराज कूड़ावला ने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

सिरसा। सात दिवसीय कैंप के समापन पर बच्चों को सम्मानित करते हुए।

सीनियर सिटीजन होम के भवन के लिए किया भूमि पूजन, निर्माण कार्य की हुई शुरूआत

रतिया। वार्ड नंबर 12 की अरोड़ा कालोनी में वरिष्ठ नागरिक भवन की नींव रखने के शुभ अवसर पर भूमि पूजन किया गया। मंत्रोच्चारण के बीच सभी सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से नींव में ग्यारह ईंटें रख कर विधिवत निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन ट्रस्ट के उपप्रधान तेजिन्द्र सिंह औजला ने बताया कि 30 मरले भुमि में बनने वाले सीनियर सिटीजन होम का निर्माण कार्य दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में मुख्य गेट, चारदीवारी, भरत मिट्टी एवं पौधारोपण के सहित सुंदर पार्क बनाया जाएगा। दूसरे चरण में एक सुसज्जित भव्य भवन का निर्माण किया जाएगा। प्रधान बिक्कर सिंह एडवोकेट ने बताया कि निर्माण कार्य के लिए पांच सदस्यीय भवन निर्माण कमेटी बना दी गई है, जिसमें शिशन पाल मंगला, गगन स्वरूप मंगला, मा. ईश्वर दास अरोड़ा, रिटायर्ड सुबेदार मेजर गुरमुख सिंह भुल्लर एवं रिटायर्ड आनरेरी लेफ्टिनेंट हरभजन सिंह को शामिल किया गया है। महासचिव बलिंद्र शर्मा एडवोकेट ने कहा कि आजकल परिवारों में आपसी बढ़ रही बेरूखी के कारण वृद्ध अवस्था में अकेलापन महसूस करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह भवन एक वरदान साबित होगा, क्योंकि इस भवन में बुजुर्गों की सुविधा के लिए हंसने, खेलने, पढने, खाने-पीने और मेडिटेशन करने सहित दवाईयां आदि का विशेष प्रबंध किया जाएगा। इस अवसर पर राइस शेलर एसोसिएशन के जिला प्रधान सुरेश जिंदल, पवन कुमार गोयल, मा. कृष्ण सिंह, मा. मेजर सिंह, मा. सुखदेव सिंह सिद्धू, मदनलाल सिंगला आदि सदस्य मौजूद थे।

सात दिवसीय भारतीय भाषा जागरूकता शिविर के समापन

बड़ोपल में विद्यार्थियों को भारतीय इतिहास तथा भौगोलिक स्थिति बारे में दी जानकारी

शिविर में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

- ऐतिहासिक स्मारकों के बारे में शिविर में दी जानकारी

भारत एक विविध भाषा वाला देश है। भारतीय भाषा उत्सव विभिन्न भाषाओं और बोलियों को एक मंच पर लाता है और उनकी सुंदरता तथा सांस्कृतिक महत्व का जश्न मनाता है : प्राचार्य रामचन्द्र भादू

फतेहाबाद। बड़ोपल में आयोजित भारतीय भाषा जागरुकता शिविर के समापन पर विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय भाषा उत्सव भारत में भाषाओं की विविधता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देता है। यह उत्सव अपनी मातृभाषा और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति गर्व और प्रेम की भावना पैदा करता है। यह बात राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिंदड़ में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा जागरुकता शिविर के समापन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रामचन्द्र भादू ने कही। उन्होंने कहा कि भारत एक विविध भाषा वाला देश है। भारतीय भाषा उत्सव विभिन्न भाषाओं और बोलियों को एक मंच पर लाता है और उनकी सुंदरता तथा सांस्कृतिक महत्व का जश्न मनाता है।

इस शिविर में विद्यालय के विभिन्न विषयों के प्राध्यापकों एवं अध्यापकों ने विद्यार्थियों को भाषायी उत्सव से सम्बंधित जानकारी विद्यार्थियों को दी। 2 जून से आरम्भ हुए इस सात दिवसीय शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न भाषाओं में नमस्ते कहना, देवनागरी व रोमन लिपि में संख्या लेखन, पंजाबी, तेलुगू, गुजराती व मराठी में वर्णमाला लिखना, विभिन्न भाषाओं में हस्ताक्षर करना, भारतीय एतिहासिक स्मारकों जैसे ताज महल, इंडिया गेट, आगरा का किला, सांची स्तूप, नदियों, पर्वतों, भौगोलिक परिस्थितियों, भारतीय राजनीति, अजंता व ऐलोरा की गुफाओं, योग शिक्षा के बारे में भी विस्तार से समझा। शिविर एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इतिहास के प्रवक्ता सुरेश कुमार मेहरा, मदन गोपाल आर्य, अर्थशास्त्र के प्रवक्ता नवीन कुमार, महेंद्र सिंह रंगा, लिपिक रामनिवास सिहाग, धनपत सिंह व कुलदीप सिंह व एस.एम.सी. प्रधान सहित विद्यालय के अनेक स्टाफ सदस्य व शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थी उपस्थित थे।